



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 329] नई दिल्ली, मंगलवार जुलाई 8, 1980 आषाढ़/17, 1902
No. 329] NEW DELHI, TUESDAY, JULY 8, 1980/ASADHA 17, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 जुलाई, 1980

का. आ. 538(अ).—यतः केंद्रीय सरकार प्रथम वृष्टया इस मंत की है कि
"लोक परलोक" (हिन्दी) नामक फिल्म हिन्दू पौराणिक कथाओं का उपहास करती
है और यहां तक कि इस फिल्म में राजा इन्द्र पर यह आरोप लगाया गया है कि
वह बिना किसी सौतिकता के एक व्यक्ति है और अपनी राजगद्दी को बचाने
के लिए यंत्रणा के लिए दलावी तक की नीचता करता है; और यतः राजा इन्द्र,
जो हिन्दू पौराणिक कथाओं में बहुत सम्मानीय देवता है, के लिए "अरिग्रहीन"
और "लड़कियों की सपनाई करने वाला" शब्द प्रयोग किए गए हैं; और यतः
फिल्म के प्रदर्शन से कानून और व्यवस्था की समस्या उत्पन्न हो गई है, क्योंकि यह

अधिकांश हिन्दू समुदाय की भावनाओं को खोद पहुँचाती है, और यतः यह फिल्म चल-चित्र अधिनियम, 1952 (1952 का 37) (इसको बाद इसको उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 5-ख(1) के अर्थ के अन्तर "सार्वजनिक व्यवस्था" और "शालीनता" से सम्बन्धित उपबन्धों का उल्लंघन करती है ;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (2) के खण्ड (ग) द्वारा प्रवृत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा यह निवेश देती है कि "लोक परलोक" (हिन्दी) नामक फिल्म, जिसको केन्द्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड द्वारा "यू" प्रमाण-पत्र संख्या 81203 दिनांक 30 अगस्त, 1979 प्रदान किया गया था, का प्रदर्शन इस अभिसूचना के जारी होने की तारीख से दो महीने की अवधि के लिए रोक दिया जाए ।

[संख्या 809/18/80-एफ (सी)]

एस. एल. कपूर, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

NOTIFICATION

New Delhi, the 8th July, 1980

S.O. 538(E).—Whereas the Central Government is prima facie of the opinion that the film "Lok Parlok" (Hindi) makes a mockery of Hindu mythology inasmuch as an accusation has been made in the film against Lord Indra dubbing him as a womaniser without any morals and stooping to pimp for Menaka to safeguard his throne; and whereas the epithets "debauch" and "supplier of girls" have been used for Lord Indra who is a very well respected God in Hindu mythology; and whereas the exhibition of the film has posed a law and order problem as it hurts the feelings of the Hindu community at large; and whereas the film contravenes the provisions relating to "public order" and "decency" within the meaning of Section 5B(1) of the Cinematograph Act 1952 (37 of 1952), (hereinafter called the said Act);

Therefore, in exercise of the powers conferred by clause (c) of sub-section (2) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby directs that the exhibition of the film entitled "Lok Parlok" (Hindi) which was granted "U" certificate No. 81203 dated the 30th August 1979 by the Central Board of Film Censors, be suspended for a period of two months with effect from the date of issue of this Notification.

[No. 809/18/80-F(C)]

S. L. KAPUR, Jt. Secy.